हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

भारत का अमृत महोत्सव

ग्रामीणों के लिए पर्यावरण जागरूकता' कार्यक्रम की रिपोर्ट

दिनांक: 27-08-2021

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हिमाचल प्रदेश ने भारत सरकार की एक पहल भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 27 अगस्त, 2021 को संस्थान के सभागार में 'ग्रामीणो के लिए पर्यावरण जागरूकता' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में रझाना पंचायत के प्रधान, उपप्रधान सहित 20 ग्रामीणों ने भाग लिया। इसके अलावा संस्थान के निदेशक, वैज्ञानिक,अधिकारी,अनुसंधान कर्मचारी और संस्थान के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों में कार्यरत कर्मचारियों ने भी प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम द्वारा इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ॰जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ,प्रभागाध्यक्ष,विस्तार प्रभाग ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुये रझाना पंचायत के प्रधान श्रीमती रीना ठाकुर,उप प्रधान श्री मुकुन्द मोहन शांडिल, वार्ड सदस्यों तथा अन्य ग्रामीणों सहित मौजूद सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आभासी माध्यम द्वारा जुड़े सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुये 'भारत का अमृत महोत्सव' पर पृष्ठभूमि और कार्यक्रम के बारे में प्रकाश डाला।

डॉ॰ एस॰ एस॰ सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने 'सतत विकास के लिए उत्तर-पश्चिमी हिमालय में जैव विविधता के संरक्षण' के विषय में जानकारी दी। **डॉ॰ सामंत** ने बताया कि भूमंडलीय ताप बढ़ने से ग्लोबल वार्मिंग हो रही है , जिसमें हिमालय क्षेत्र में जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पढ़ रहा है। अतः यह जरूरी हो गया है, वनों को बचाया जाए। बताया कि जंगली खाद्य पौधों एवं औषधीय पौधों से अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने संस्थान द्वारा जैव विविधता पर किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। **डॉ॰ स्वर्ण लता, वैज्ञानिक - डी,** ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं भविष्य में होने वाले अनुसंधान कार्यों के बारे में बताया। **डॉ॰ जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ** ने वैज्ञानिकों द्वारा बागवानी फसलों के साथ औषधीय पौधों को अंतरवर्तीय फसलों को उगाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि औषधियों पौधों को अंतरवर्तीय फसल के रूप में उगाकर किसान अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान ने हिमालयी क्षेत्र के औषधीय पौधों जैसे कि चौरा, निहानी, कड़ू, पतीश और सालम मिसरी को अंतरवर्तीय फसल के तौर पर उगाने के मॉडल विकसित किए हैं। शोध से पाया गया कि औषधीय पौधों को अंतरवर्तीय फसल उगाने से इसके रासायनिक गुण प्राकृतिक वातावरण में उगने वाले से औषधीय पौधों के आसपास ही होते हैं।

डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक-जी एवं समूह समन्वयक अनुसंधान ने इसी श्रृंखला में विभिन प्रकार के प्रदूषणों के दुष्प्रभावों तथा इनके प्रभाव को कम करने की जानकारी सांझा की। उन्होंने आधुनिक और वैज्ञानिक तरीके से नर्सरी तकनीक के महत्व और जैविक खेती के बारे में विस्तार से बताया। **डॉ. संदीप शर्मा** ने बताया कि जैविक रूप से उगाये गए उत्पादों की बहुत मांग बढ़ रही है। जैविक उत्पाद उगा कर किसान अधिक लाभ कमा सकते है। इस तरह हम अपनी आय को बढ़ा सकते हैं। भारत सरकार के आत्म निर्भर अभियान में अपना दायित्व निभा सकते हैं।

इसके बाद कार्यक्रम में आए ग्रामीणों, वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों के साथ आम चर्चा हुई। श्रीमती रीना ठाकुर, प्रधान ने संस्थान के निदेशक का उनकी पंचायत के लोगों को कार्यक्रम में बुलाने हेतु तथा पर्यावरण संबन्धित जानकारी देने हेतु आभार व्यक्त किया। श्री मुकुन्द मोहन शांडिल ने सुझाव दिया कि संस्थान को रझाना पंचायत के बड़ा गाँव के साथ लगते नाले के दोनों ओर बांस कि प्रजाति का रोपण करना चाहिए ताकि भूक्षरण की रोकथाम के साथ-साथ, ग्रामीण बांस का अन्य उपयोग भी कर सके।

डॉ॰ एस॰ एस॰ सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने लोगों को औषधीय पौधे उगाने एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा आश्वासन दिया की संस्थान इसमें पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान आप सभी के द्वारा दिये गए सुझावों पर भी अमल करेगा।

डॉ. जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने श्रीमती रीना ठाकुर,प्रधान,श्री मुकन्द मोहन शांडिल,उप प्रधान, वार्ड सदस्यों तथा अन्य ग्रामीणों का कार्यक्रम में भाग लेने और सुझाव देने हेतु धन्यवाद दिया। उन्होंने सभागार में मौजूद सभी निदेशक महोदय, वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आभासी माध्यम द्वारा जुड़े टेक्निकल स्टाफ , रिसर्च प्रोजेक्ट स्टाफ, फील्ड स्टाफ का भी सक्रिय भागीदारी तथा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

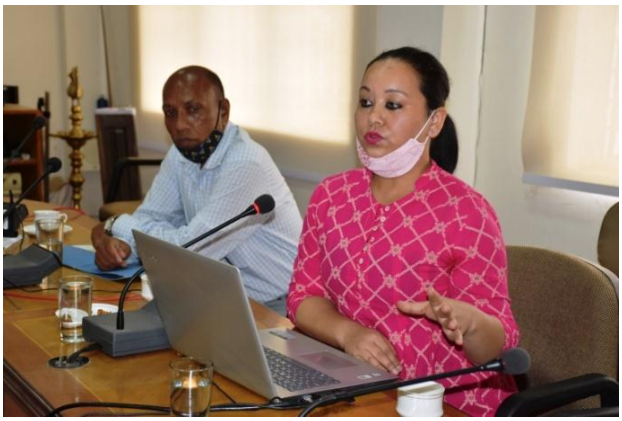

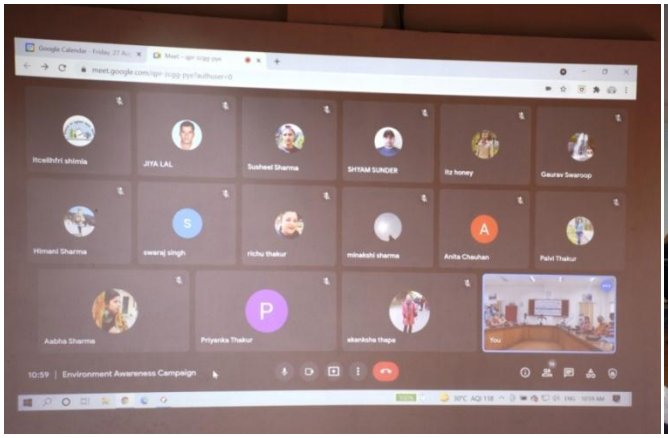

JIYA LAL
Susheel Sharma
SHYAM SUNDER
Gaurav Swaroop
Himani Sharma
swaraj singh
richu thakur
minakshi sharma
Anita Chauhan
Palvi Thakur
Aabha Sharma
Priyanka Thakur
akanksha thapa
You
Environment Awareness Campaign

मीडिया कवरेज़

दैनिक भास्कर हिमाचल 28-08-2021

एचएफआरआई ने लोगों को बताया वनों का महत्व, जागरुकता शिविर लगाया

शिमला| एचएफआरआई शिमला में भारत का अमृत महोत्सव के तहत शुक्रवार को ग्रामीणों के लिए पर्यावरण जागरुकता' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। वैज्ञानिकों के साथ रज्ञाना पंचायत के प्रधान, उपप्रधान सहित 20 ग्रामीणों ने भाग लिया। एचएफआरआई के निदेशक डॉ. एसएस सामंत ने कहा कि भूमंडलीय ताप बढ़ने से ग्लोबल वार्मिंग हो रही है, जिसमें हिमालय क्षेत्र में जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पढ़ रहा है। अतः यह जरूरी हो गया है, वनों को बचाया जाए।

****